

**श्लैष्मिक** वि. (तत्.) 1. श्लेष्मा से संबंधित या युक्त 2. कफवर्धक।

**श्लोक** पुं. (तत्.) 1. प्रशंसा, स्तुति 2. यश, कीर्ति 3. छंद अनुष्टुप नामक वार्णिक छंद जिसमें प्रत्येक चरण में आठ वर्ण होते हैं तथा पाँचवा वर्ण लघु तथा छठा वर्ण गुरु होता है तथा पहले, तीसरे चरण का सातवाँ वर्ण गुरु और दूसरे, चौथे चरण का सातवाँ वर्ण लघु होता है 4. सामान्य बोलचाल में संस्कृत का कोई पद्य।

**श्लोकबद्ध** वि. (तत्.) 1. अनुष्टुप छंद में बद्ध (लिखा हुआ) 2. छंदोबद्ध।

**श्वपच** पुं. (तत्.) कुत्ते का मांस पकाने वाला, चांडाल।

**श्वपति** पुं. (तत्.) कुत्तों का स्वामी, कुत्ता पालने वाला।

**श्ववृत्ति** स्त्री. (तत्.) कुत्तों की भाँति जूठन चाटने का स्वभाव, पराश्रित रहने की वृत्ति।

**श्वश्रू** स्त्री. (तत्.) पति की या पत्नी की माँ, सास।

**श्वसन** पुं. (तत्.) साँस लेने की क्रिया।

**श्वसनाशन** पुं. (तत्.) श्वसन ही अशन (आहार) है जिसका, जो हवा पीकर भी जीवित रह सकते हैं, सर्प।

**श्वसनीशोथ** पुं. (तत्.) आयु. श्वसन नली की श्लेष्मा झिल्ली में होने वाली सूजन जो सामान्यतः विषाणु संक्रमण से होती है, इसके लक्षण खाँसी और बुखार हैं।

**श्वसनेश्वर** पुं. (तत्.) अर्जुन नामक वृक्ष।

**श्वसरंध्र** पुं. (तत्.) दे. श्वासरंध्र।

**श्वसित** वि. (तत्.) श्वासयुक्त, जीवित।

**श्वसित्र** पुं. (तत्.) आयु. कृत्रिम साँस के लिए प्रयुक्त यंत्र। inhaler, respirator

**श्वसुर** पुं. (तत्.) पति के या पत्नी के पिता, ससुर।

**श्वस्तन** वि. (तत्.) आने वाले कल का या आने वाले कल से संबंधित।

**श्वस्त्य** पुं. (तत्.) दे. श्वस्तन।

**श्वागणिक** पुं. (तत्.) कुत्ता पालने वाला, कुत्तों का व्यवसाय करने वाला या उन्हें प्रशिक्षण देकर जीवन निर्वाह करने वाला।

**श्वाग्र** पुं. (तत्.) कुत्ते की पूँछ।

**श्वान** पुं. (तत्.) दे. कुत्ता।

**श्वान निद्रा** स्त्री. (तत्.) कुत्ते की तरह सावधान नींद, जो जरा सी आहट मिलते ही खुल जाती है।

**श्वापद** पुं. (तत्.) बाघ, चीता आदि हिंसक पशु वि. 1. हिंसक, बर्बर 2. भयंकर।

**श्वास** पुं. (तत्.) नाक के द्वारा प्राणवायु खींचने और छोड़ने की प्रक्रिया, साँस।

**श्वास-कष्ट** पुं. (तत्.) साँस से संबंधित कष्ट, श्वास से संबंधित रोग, साँस लेने में कठिनाई होना।

**श्वास-कुठार** पुं. (तत्.) आयु. श्वासरोग की एक ओषधि-विशेष।

**श्वास-क्रिया** स्त्री. (तत्.) साँस खींचने और छोड़ने की क्रिया।

**श्वास-नली** स्त्री. (तत्.) जंतु. श्वास क्रिया में मुख से फेफड़ों तक का वायु आने जाने का मार्ग।

**श्वास-प्रश्वास** पुं. (तत्.) श्वास (वायु अंदर खींचना) और प्रश्वास (वायु बाहर निकालना)।

**श्वासरंध्र** पुं. (तत्.) 1. नाक का छिद्र 2. भौति. किसी उपकरण में हवा आने जाने के लिए बना छिद्र।

**श्वास-हीन** वि. (तत्.) साँस न ले सकने वाला, मृत (शरीर)।

**श्वासायाम** पुं. (तत्.) 1. प्राणायाम, प्राणवायु का व्यायाम। 2. श्वास लेने में होने वाला कष्ट।

**श्वासारि** पुं. (तत्.) आयु. श्वास रोग (दमा) की एक ओषधि, पुष्करमूल।

**श्वासावरोध** पुं. (तत्.) 1. साँस लेने में रुकावट 2. दम छूटना।

**श्वासोच्छ्वास** पुं. (तत्.) जोर जोर से (तीव्र गति से) और गहरी साँस लेना व छोड़ना।

**श्वित** वि. (तत्.) सफेद।